

卷之三

ਕੀ ਪ੍ਰਾਤਿਕ ਰੱਖਿਆ,  
ਤਪ ਹਾਂਥਿਅ  
ਤ ਲਈ ਦੇਣੀ ਬਾਧਨ ।

लेखा ३

केन्द्रीय भारतीयक विधि परिषद्,  
विधि बैठक 2 अप्रैल 1950  
शास्त्रीय विधार नवीन द्वितीय ।

ट्रिप्ट १७६ अनुवाद

नक्षः दिनांकः ३१ अक्टूबर, १९९४

三七

उपर्युक्त विषयक पर कुप्रे यह कहने का निर्देश द्वारा है कि डी०१०८वीं  
विधान सभा ने २००८ ई०, १५४वीं को ती०१०८स०८वीं तर्ह छिलो से तमाजला प्रदान  
किये गये हैं कि विधायक सभाएँ वो नियमांशित प्राक्षण्यांशों के अधीन आपसी  
जागती हैं :-

- विद्यालय की पैंडीकू तोताडी का तकर नम्बर वह जलानी अथवा भारवा आयेगा ।
  - विद्यालय की उद्घन्ध नमिति में शिखा निष्ठाक द्वारा नामित एक तटस्थ होगा ।
  - विद्यालय में लम्ह है कम दस द्रुतिकांत त्वान उन्नुचिताति/उन्नुचित अवधारणा के वर्वार्द्दे के लिए उपरित हैं और उन्होंने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिखा परिषद द्वारा नियानित विद्यालयों में विनियोगात्मकों के लिए नियमित हुआ है अधिक हुआ नहीं लिया जाएगा ।
  - तृतीय द्वारा राज्य सरकार ने लिया उन्नान थों नहीं जो जारीगों डॉर पर्ट पूर्व में विद्यालय माध्यमिक शिखा परिषद ने विनियोग शिखा परिषद है मान्यता प्राप्त है तथा विद्यालय की तम्भाता लेन्ट्रीय माध्यमिक शिखा परिषद/कौसिल कार फि फैशन ट्रून नटीफिलेट इलेक्ट्रोशिप्पिंग नई टिल्ली ने प्राप्त होती है तो उन परोक्षा परिषदों के तम्भाता प्राप्त होने की शिखि तो परिषद से मान्यता लवा राज्य सरकार ने उन्नान त्वानः तम्भाता हो जाएगी ।
  - तृतीय शैक्षिक सर्वे शिखीतार अधिकारियों को राज्यीय तदायता प्राप्त शिखि तृतीयात्मकों के अधिकारियों को उन्नेच तेलमानों तथा उन्ह अत्यात्मकों ने कम वेतनमान लवा उन्ह अत्यात्मकों नहीं दिए जाएं ।
  - अधिकारियों की हेता ज्ञानों क्वाणी जाएगी और उन्ह तदायता प्राप्त अधिकारियों उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के अधिकारियों को उन्न तेला नियुक्ति का ताम उपलब्ध भराये जाएंगे ।

Principal  
D.A.V. Public School  
Delhi Road, HAPUR

*Abeer Gupta*  
Manager  
D.A.V. Public School  
Delhi Road, Hapur

7- दाल्य तरंगां द्वारा लाल्य तरंगे वे जो भी छाड़िया निर्गत  
लिये जाएँगे, उनका उनका पात्रन भैरव ।

८- दिव्यानय का रिपोर्ट निष्पादित हुए। वैविध्यों के रिपोर्ट जारीगत।

७- उक्त सारों में राजा लक्ष्मण के पुत्रानुमोदन के बिना लोह परिवर्ती/लोधि या परिवर्ती नहीं लिया जाएगा।

2- प्रतिक्रिया पद भी होगा कि तेरवा द्वारा पद उनिश्चय किया जाए तिक्रिया का नियम अब यानकानुसूल अनालें कालन हो 2 अर्थ के भीतर उदात बदापा याच तथा प्रबन्ध संचित का कोई भी तदेष्य/पदानुसारी तिक्रिया के दैतनिक पद पर आर्थित नहीं होगा ।

उस उत्तिष्ठन्धौ का पालन करना तैत्या है जिस अभिलार्ह होमा  
और एडि की तरफ से विद्या बताता है कि तैत्या द्वारा उस उत्तिष्ठन्धौ  
का पालन नहीं किया जा सकता है जबकि पालन करने में किसी पुलार और  
दृढ़ वा ग्रिधिलता बरती जा सकती है तो राज्य नरकार द्वारा पुष्ट  
उत्तिष्ठन्धौ प्रभाव पर वापस में विद्या आयेगा ।

४८७

ବ୍ୟାକିଳ ସେନ୍ଦୁରୀ  
ପତ୍ରକାଳୀ

पुस्तक संख्या 3214811/15-7-1994 तारीख

**ਪ੍ਰਤਿਲਿਪਿ ਨਿਘਨਿਧਿਤ ਦੀ ਕੁਝਵਾਰ੍ਯ ਸੰਭਾਵਾਵਾਂ ਅਤੇ ਪ੍ਰਤਿਲਿਪਿ ਨਿਘਨਿਧਿਤ ਦੀ ਕੁਝਵਾਰ੍ਯ ਸੰਭਾਵਾਵਾਂ**

- 1- ਸਿਆ ਨਿਵੇਦਨ, ਤਾਤਰ ਪ੍ਰਦੇਸ਼, ਲਈਨਡ।
  - 2- ਕਾਲੀਗੁ ਤਥਾ ਸਿਆ ਨਿਵੇਦਨ, ਮੋਰਚ।
  - 3- ਕਿਆ ਵਿਦਿਆਲਿਪ ਨਿਰੀਖਕ, ਗਾਂਧਿਆਕਾਨ।
  - 4- ਨਿਰੀਖਕ, ਤੱਤ ਮਾਰਤੀਅ ਵਿਦਿਆਲਿਪ ਤਾਤਰ ਪ੍ਰਦੇਸ਼, ਲਈਨਡ।
  - 5- ਪ੍ਰਬੰਧਕ, ਫਾਰਮਾਚੀਓ ਏਜਿਕਲ ਟ੍ਰਾਨ ਮੋਰਚ, ਟੋਂਡ 5 ਆਕਾਸਪੁਰਮ ਸ਼ਹੀਦ ਕਾਨੌਜੀ  
ਲਾਈਨਡ, ਗਾਂਧਿਆਕਾਨ।

JET 3

ग्रन्थालय ग्रन्थालय  
उपराज्य ।

Principal  
D.A.V. Public School  
Delhi Road, HAPUR